



**Office of The Principal, Rajeev Gandhi Govt. P.G. College  
Ambikapur, Surguja (C.G.)**

Ph.No.- 07774-230921, 9425257192, Email – rgpg.apur1960@gmail.com, www.rgpgcapur.ac.in

---

## ***College Culture & Creativity Forum***

### ***Introduction:***

As part of IQAC's endeavor to promote holistic education, Rajeev Gandhi Government Post Graduate College launched the College Culture & Creativity Forum. This initiative aims to nurture students' creative potential, foster cultural awareness, and encourage critical thinking.

### ***Objectives:***

- Provide a platform for students to express their creativity.
- Promote cultural enrichment and diversity.
- Encourage critical thinking and innovation.
- Foster teamwork and collaboration.

### ***Programmes Conducted:***

The College Culture & Creativity Forum organized five programmes on Session 2023-2024

- Chitrkala Karyshala (Art Workshop): Students explored various art forms, techniques, and mediums.
- Kahani Lekhan Karyshala (Story Writing Workshop): Participants developed their creative writing skills.

- Documentary Show and Discussion: Students screened and discussed thought-provoking documentaries.
- Painting Competition: Students showcased their artistic talents.
- Poster Pradarshani (Exhibition): Students displayed posters on themes related to Gandhi's legacy.
- 

***Outcomes:***

- Enhanced creativity and self-expression among students.
- Increased awareness about Gandhi's philosophy and legacy.
- Fostered teamwork and collaboration.
- Encouraged critical thinking and innovation.

***Participation:***

Over 600 students participated in the programmes.

20 faculty members facilitated and mentored the events.

***Conclusion:***

*The College Culture & Creativity Forum successfully promoted creativity, cultural enrichment, and critical thinking among students. IQAC will continue to support and expand this initiative.*

### *Programme schedule and details-*

<b>S.No.</b>	<b>Date</b>	<b>Event</b>	<b>Remark</b>
<b>1</b>	<b>29 April 2023</b>	<b>Painting Workshop</b>	
<b>2</b>	<b>08-10 May 2023</b>	<b>Creative writing Workshop</b>	
<b>3</b>	<b>23 Dec. 2023</b>	<b>Documentary show &amp; Discussion</b>	
<b>4</b>	<b>28 Jan. 2024</b>	<b>Painting Competition</b>	
<b>5</b>	<b>30 Jan. 2024</b>	<b>Poster Exhibition &amp; Discussion</b>	

### *Photographs and Media reporting –*







पहले समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल सकता। शहरकर से मराजा का कुमार साक्षर रह।

बाल गण पाना भा जमा हा गय ह जिस का तस बन हूइ ह।

**आयोजन** राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला

# कहानी लेखन के लिए विषय नहीं दृष्टि महत्वपूर्ण: बनर्जी

**अधिकापुर (वृद्धनिष्ठ प्रतिनिधि)।** राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कलेज कल्चर एण्ड क्रिएटिविटी फोरम के द्वारा तीन दिवसीय कहानी लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में बरिष्ठ कथाकार और आभारवाणी के पूर्व कार्यक्रम अधिपति तपन बनर्जी तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में कवि व कहानीकार डा. विश्वास एवम्, बरिष्ठ कहानीकार व अनुवादक प्रभुनाथ वर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्लाह द्वारा की गई। पहले दिन देवेंद्र विश्व विदेशी तथा मुख्य अतिथि ने अपने-अपने तर्कों से कहानी लेखन की रचना प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। डा. विश्वास एवम् ने अपने प्रथम कहानी को रखा करते हुए कहा कि कबूकी मैं अपने आस-पास के जीवन को देख समझ रही थी



कार्यशाला की शरभित करते वरत • वरुदुकिा।

इसलिए जब मुझे यह चुनौती मिली तो उसका निर्माण मैं बेहतर ढंग से कर पाई। प्रभुनाथ वर्मा ने कहा कि हम अपने आस-पास बिकारे विविध दृश्यों को देखते रहते हैं, जब उन्हीं को अपूर्वविश्लेष प्रदान कर देते हैं तो वह किसी न किसी कला का रूप ले लेती हैं। तपन बनर्जी ने कहा कि कहानी के लिए विषय बहुत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि हमें एक दृष्टि या आँख चाहिए होती है, जिससे हम अपने आस-पास के दृश्यों को महसूस कर सकें। कहानी के शोर्षक पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शोर्षक एक प्रवेश द्वार को तह

होना चाहिए, जिसमें कहानी में बारे में अनुमान तो लगया जा सके किन्तु पूरा पता न मिले, जिससे पढ़ने की उत्सुकता बनी रहे।

प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्लाह ने कहा कि यह कार्यशाला निश्चित रूप से हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रचनात्मक प्रतिभा को उभारने में सक्षम होगी। आगे भी इस फोरम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। प्रथम दिवस के अंत में आरधन, शिल्पी, विनय, प्रतिभा सिंह, रेखा, निमल, तरुण, अध्यानि, संजना

तथा पंकज द्वारा कहानी लिखकर दिखाई गई। डा. विश्वास एवम् ने इन सभी कहानियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। राजेश मिश्र ने कहानी की रचना प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोक और स्मृति के साथ दृश्य को रखकर कहानी लिखी जा सकती है। प्रभुनाथ वर्मा ने कम से कम और रणुद्रीह नामक दो छोटी कहानियों का पाठ किया। इसका हिन्दी में अनुवाद उन्होंने स्वयं किया है। इन कहानियों के माध्यम से उन्होंने बताया कि कैसे हम प्रतीकात्मक तर्कों से बहुत सुन्दर कहानियाँ लिख सकते हैं। कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन फोरम की संयोजक डा. विजयलक्ष्मी शरश्री ने पिछले दो दिनों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला में प्रतिभागी स्वर्श्रुत कहानियों के साथ उपस्थित हुए। इन कहानियों पर बरिष्ठ कथाकार प्रभुनाथ वर्मा ने नवींशता लेखकों का मार्गदर्शन किया। डा. विश्वास एवम् ने अपने पहले

कहानी 'कजरी' का पाठ कर नए लेखकों को हौसला अफजाई की। इस कार्यशाला के दौरान कुल 16 कहानियाँ लिखी गईं जिसमें आयोजकों व शहर के बरिष्ठ कहानीकारों को सुझाव आभार्य से धार दिया। अग्रहण्युवरी के सम्भवक डा. आर्यो सिंह ने कार्यशाला को तर्क करते हुए कहा कि रचना के लिए जीवन को पढ़ना जरूरी है। धृग्वेल विभाग के प्राध्यपक डा. अनिल सिन्हा ने सहित्य के प्रति अपने प्रेम का जिक्र करते हुए कहा कि प्रेमचन्द और रेणु उन्हें सर्श्रधिक प्रिय हैं। डा. आरके जायसवाल ने कहा कि कथा लेखन के लिए परिश्रम बहुत महत्वपूर्ण होता है। मुझे उम्मीद है कि कलेज का कल्चर फोरम खाँ एक सुन्दर रचनात्मक परिवेश का निर्माण करेगा।



## लेखकीय हुनर से विद्यार्थी निखार सकते हैं अपनी छिपी कलात्मक प्रतिभा पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में कहानी लेखन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

नवभारत ब्यूरो। अम्बिकापुर। पीजी कॉलेज अम्बिकापुर के कलेज कल्चर एण्ड क्रिएटिविटी फोरम द्वारा कहानी लेखन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ आज प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्लाह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. रिजवान उल्लाह ने कहा कि हर इंसान के भीतर एक कलाकार विद्यमान होता है। लेखकीय हुनर के विकास के लिए विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी हुई कलात्मक प्रतिभा को निखारने की आवश्यकता है। प्राध्यापक डॉ. विश्वासी एवम् ने कहानी की रचना प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लेखक होने के पूर्व हमें एक अच्छा पाठक बनना होगा, साथ ही हमें अपने आस-पास के वातावरण के प्रति



संवेदनशील होना पड़ेगा तभी हम अच्छी रचना करने में समर्थ होंगे। कहानीकार प्रभु नारायण वर्मा ने कहा कि कहानी लिखने के लिए संवेदनाओं को समझ लेनी चाहिए। एक

ही विषय पर अनेक दृष्टियाँ हमारी संवेदना का विस्तार करती है। बरिष्ठ कथाकार तपन बनर्जी ने कहा कि लिखते रहने से लेखक समृद्ध होता है और उसका लाभ अंततः पाठक को मिलता है। लेखन के लिए हमें अपनी भाषा को निखारना होगा। भाषा अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक सिंह और आभार प्रदर्शन डॉ. विजय लक्ष्मी शास्त्री ने किया। इस अवसर पर डॉ. आभा जायसवाल, डॉ. अनिल मिन्हा, ऐके केरकेट्टा, डॉ. जसिंता मिंज, डॉ. प्रदीप एवम्, डॉ. तृपति विश्वास, डॉ. ज्योति लकड़ा, डॉ. अजय पाल सिंह, डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

मान बढ़ाया, उनके द्वारा बीजेपी सद व रसलिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ ल्याडियों के साथ शोषण का

करयप, सूर्यकांत रवि, धीरज यादव, हर्ष सिंह, विशाल जायसवाल, रामकृष्ण रॉय, जगेश, संतोष, रंजी आदि उपस्थित थे।

मिलने पर चरचा पुलिस ने जांच में गया कि पति के लानरवाहीपूर्वक ब्राइक चलाने से पत्नी सड़क पर गिरकर उसकी मौत हो गई।

सड़ी-गली अवस्था में मिला। पुलिस ने बताया कि राव के सड़न की बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, जिसके

पोस्टमार्टम चर्ची पुलि कायम का की जांच र

## बाइक चोरी, केस लेखक का संवेदनशील होना जरूरी: प्रो. रिजवान

र अलमारी के गेट को खोलकर में रखे सरकारी दस्तावेज को हारकर फैला दिया। पटवारी झर्डा का मिलान कर रहे हैं। में पटवारियों ने मामले को बना पुलिस को दी, जिसके बाद के पर घटुबो टोम ने च-पड़ताल शुरू की। इस मले में थाना प्रभारी सुनील केडा का कहना है कि रिपोर्ट र्व कर ली गई है और जल्द से न्द आरोपियों को गिरफ्तार या जाएगा।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम द्वारा कतनी लेखन पर 8 से 10 मई तक चलने वाली तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्ला ने किया। प्रो. रिजवान ने कहा कि हर इंसान के भीतर एक कलाकार विद्यमान होता है। लेखकीय हुनर के विकास लिए विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी हुई कलात्मक प्रतिभा को

विस्तारने की जरूरत है। महाविद्यालयीन सांस्कृतिक व रचनात्मक मंच विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को बाहर लाने मंच प्रदान करता है। सभी विद्यार्थियों को इसका अधिकतम लाभ लेना चाहिए। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित लेखिका व प्राध्यापक राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय डॉ. निन्दासो एक्का ने कहानी की रचना प्रक्रिया पर विद्यार्थियों से विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने कहा कि लेखक होने

के पूर्व हमें एक अच्छा पाठक बनना होगा, वहीं लेखन के लिए असफल के वातावरण के प्रति संवेदनशील होना जरूरी है। कई कलाकार तम बनने ने कहने लेखन पर बात करते हुए कहा कि कई बार अच्छी रचनाओं को भी उचित मंच नहीं मिल पाता। इससे हमको निराश होने की जरूरत नहीं है। हमें निरंतर लिखते रहना चाहिए, लिखते रहने से लेखक समृद्ध होता है और उसका लाभ अंतर: पाठक को मिलता है। इस मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

अब उदर एसडीए डीएस उ  
In conti Dainik I vacanc Bishrar 11.05.2 kindly n

**THREE DAYS WORKSHOP ON CREATIVE WRITING**

HOW TO WRITE STORY

**8 to 10 MAY 2023**

ORGANISED BY COLLEGE CULTURE & CREATIVITY FORUM, RAJEEV GANDHI GOVT. P.G.COLLEGE AMBIKAPUR

Resource persons - Shri Tapan Banerjee, Shri Prabhu Narayan Verma, Shri Rajesh Mishra ,Dr.Viswashi Ekka

Open for Aall interested persons  
For Registration, Contact Department

**Documentary film show & Discussion**

**23 DEC 2023**

Organized by college culture & creativity forum

**R.G.Govt. PG College, Ambikapur**



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur,  
 Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.134159°  
 Long 83.179486°  
 29/04/23 02:12 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur,  
 Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.134255°  
 Long 83.1795°  
 29/04/23 01:42 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur, Chhattisgarh  
 497001, India  
 Lat 23.134151°  
 Long 83.179594°  
 29/04/23 01:40 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur, Chhattisgarh  
 497001, India  
 Lat 23.134216°  
 Long 83.179554°  
 29/04/23 01:22 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur, Chhattisgarh  
 497001, India  
 Lat 23.13422°  
 Long 83.179578°  
 29/04/23 01:35 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 Surguja, NH-78, Ambikapur Highway, Ambikapur, Ambikapur, Chhattisgarh  
 497001, India  
 Lat 23.13422°  
 Long 83.179578°  
 29/04/23 01:35 PM GMT +05:30

## श्री राम की थीन पर आयोजित हुई चित्रकला प्रतियोगिता, 300 बच्चों एवं युवाओं ने कराया था पंजीयन

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

ल  
नु  
स्य  
के  
ल,  
व  
ह  
ल  
स्य  
में  
पे  
य  
ला  
रु,  
श  
भा  
त  
ह  
का



श्री कला एवं संस्कृति संस्थान अंबिकापुर एवं कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के संयुक्त प्रावधान में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तीन उम्र समूह क्रमशः ८ से १३, १४ से १७ एवं १८ वर्ष से अधिक के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता जिसका मूल थीम श्री राम रखा गया था। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता हेतु विभिन्न आयु वर्ग के लगभग ३०० बच्चों एवं युवाओं ने अपना पंजीयन कराया था। श्री कला संस्थान की श्रीमती अर्जिता सिन्हा ने छात्रों की उपस्थिति एवं चित्रकला के प्रति

कला का स्तर निखरता चला जाता है।

प्रतियोगिता में ८ से १३ आयु वर्ग में अंकित विश्वास, अरनव सिंह आर्याम, अरुनी दुबे को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान, १४ से १७ आयु समूह में समृद्धि प्रताप सिंह, छवि अग्रवाल, सुमन एक्का को चरौथाना मिली तथा १८ से अधिक उम्र वर्ग में नीरज कुमार राजबाड़े, पल्लवी व्यापारी, तथा तुषार प्रधान को स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर इस कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए कंचन श्रीवास्तव, नीति श्रीवास्तव, लक्ष्मी सिन्हा, रीना पटनायक, स्वीटी महतो, कुमकुम जैन के साथ-साथ महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार, स्वयंसेवक गीतम गुप्ता तथा महाविद्यालय क्रिएटिविटी फोरम के प्राध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

## भगवान श्रीराम पर चित्रकला स्पर्धा



अंबिकापुर। पीजी कॉलेज अंबिकापुर में भगवान श्रीराम थीम पर एक निजी संस्था द्वारा चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें आठ से 18 वर्ष तक के तीन आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें आठ से 13 आयु वर्ग में अंकित विश्वास, अरनव सिंह आर्याम, अरुनी दुबे, 14 से 17 आयु वर्ग में समृद्धि प्रताप, छवि अग्रवाल, सुमन एक्का और 18 से अधिक आयु वर्ग में नीरज राजबाड़े, पल्लवी व्यापारी, तुषार प्रधान को चरौथाना के आधार पर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण प्राचार्य डॉ. एसएस अग्रवाल के मुख्य अतिथि में हुआ। आयोजन में निजी संस्था के पदाधिकारियों के साथ-साथ रामसेवा के कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार व छात्र तथा प्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

## चित्रकला प्रतियोगिता • 300 से अधिक प्रतिभागियों ने किया कला का प्रदर्शन

### अंकित व समृद्धि ने हासिल किया पहला स्थान

भारत नगर, अंबिकापुर

जिले के श्रीकला व संस्कृति संस्थान, कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम व राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संयुक्त रूप से सोमवार को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 8 से 13, 14 से 17 व 18 आयु वर्ग के 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता जिसका मूल



प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने बनाई पेंटिंग।

### इन्हें किया गया पुरस्कृत

प्रतियोगिता में 8 से 13 आयु वर्ग में अंकित विश्वास, अरनव सिंह आर्याम अरुनी दुबे को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान, 14 से 17 आयु समूह में समृद्धि प्रताप सिंह, छवि अग्रवाल सुमन एक्का को चरौथाना मिली तथा 18 से अधिक उम्र वर्ग में नीरज कुमार राजबाड़े, पल्लवी व्यापारी, तथा तुषार प्रधान को स्थान प्राप्त हुआ। साथ ही प्रत्येक वर्ग में तीन-तीन प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया।

थीम श्री राम रखा गया था। श्रीकला संस्थान की अर्जिता सिन्हा ने छात्रों की उपस्थिति एवं चित्रकला के प्रति उनके रुझानों को बताया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में स्थानीय विद्यालयों के कला शिक्षक निधि लाल दास, निर्मल बस्के तथा सतीश सोनी थे। प्रतियोगिता में प्रथम

द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार मोमेंटो तथा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रत्येक वर्ग में तीन-तीन प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर एस एस अग्रवाल ने कहा कि बच्चों

एवं युवाओं में फहन आर्ट की कला में उनकी सहभागिता से उनमें रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। छोटी उम्र से इसका अभ्यास करने से इस कला का स्तर निखरता चला जाता है। इस अवसर पर कंचन श्रीवास्तव, नीति श्रीवास्तव, लक्ष्मी सिन्हा, रीना पटनायक, स्वीटी महतो, कुमकुम जैन के साथ-साथ महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार, स्वयंसेवक गीतम गुप्ता उपस्थित रहे।

## पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में श्री कला एवं संस्कृति संस्थान अंबिकापुर एवं कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीन उम्र समूह क्रमशः 8 से 13, 14 से 17 एवं 18 वर्ष से अधिक के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का मूल थीम श्री राम रखा गया था। प्रतियोगिता हेतु विभिन्न आयु वर्ग के लगभग 300 बच्चों एवं युवाओं ने अपना पंजीयन कराया। श्री कला संस्थान की अर्जिता सिन्हा ने छात्रों की उपस्थिति एवं चित्रकला के प्रति उनके रुझानों को



बेहतर बताया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में स्थानीय विद्यालयों के कला शिक्षक निधि लाल दास, निर्मल बस्के तथा सतीश सोनी थे। प्रतियोगिता की आयोजन उपरान्त प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार मोमेंटो तथा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ग में तीन-तीन प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रमाण पत्र सभी प्रतिभागियों को दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एसएस अग्रवाल अपर संचालक उच्च शिक्षा एवं प्राचार्य पीजी







Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.134008°  
 Long 83.18069°  
 30/01/24 01:30 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.134008°  
 Long 83.18069°  
 30/01/24 01:30 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.134036°  
 Long 83.180691°  
 30/01/24 01:32 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.133994°  
 Long 83.180703°  
 30/01/24 01:32 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.133994°  
 Long 83.180703°  
 30/01/24 01:33 PM GMT +05:30



Ambikapur, Chhattisgarh, India  
 45MJ+H79, Ambikapur, Chhattisgarh 497001, India  
 Lat 23.133994°  
 Long 83.180703°  
 30/01/24 01:33 PM GMT +05:30

